शिखर 5

इकाई 1: प्रकृति और पर्यावरण

पाठ 1. तरुवर

कविता का उद्‌देश्य
प्रस्तुत कविता का उद्‌देश्य पेड़ों का महत्त्व बताना तथा उनसे सीख लेना है। पेड़ प्रकृति की सुंदरता में बढ़ोतरी के साथ-साथ परोपकार के काम भी करते हैं। वे दूसरों के लिए समर्पण का भाव रखते हैं। हमें भी इनसे सीख लेते हुए दूसरों के प्रति दया रखनी चाहिए एवं परोपकारी बनना चाहिए।

कविता का सारांश
इस कविता में कवि ने पेड़ों की महत्ता का प्रतिपादन किया है। कवि कहता है कि पेड़ दिनभर हवा के साथ गाते हुए हमारे लिए पंखा हिलाता है अर्थात् हमें जीवनदायी ठंडी-ठंडी हवा देता है। ऐसे लगता है मानो पत्तों से ताली बजा रहा हो। पेड़ों की हर बात अनोखी है क्योंकि हम इन पर डंडे मारते हैं तो ये हमें फल देते हैं। हम इनके प्रति गुस्सा दिखाते हैं तो भी बदले में हमें इनसे प्यार ही मिलता है। पेड़ खुद दिनभर गरमी और धूप में झुलसता है परंतु जब कोई थका हुआ मुसाफिर चाहे वह इसे काटने आता है उसे भी यह ठंडी छाया देता है। पेड़ सबको फल देता है और अपनी छाया से सबकी काया को शीतल करता है। हम पेड़ पर पत्थर मारते हैं फिर भी यह सब कुछ सहकर हमें मीठे फल देता है। यह हमें जीवन में नया रास्ता दिखाता और हमारे हृदय को निर्मल बनाता है। पेड़ हमें जीवन में परोपकार की सीख देते हुए नए-नए पाठ पढ़ाता है।

अध्यापन संकेत
कविता वाचन से पूर्व बच्चों से **पहले पहल** के अंतर्गत दिए गए प्रश्न पूछें। उन्हें पेड़ों के महत्त्व के बारे में बताएँ। पेड़ों के कटने से प्रकृति में होने वाले बदलावों के बारे में बताएँ। पहले कविता का सस्वर वाचन स्वयं करें फिर बच्चों से करवाएँ। कविता का वाचन करवाते समय उनसे बोध आधारित प्रश्न पूछें। पेड़ों से मिलने वाली सीख के बारे में चर्चा करें।
बच्चों से पूछें एवं समझाएँ –

- पेड़ों की हमारे जीवन में क्या भूमिका है?
- यदि धरती पर पेड़ न हों तो इसके क्या परिणाम होंगे?
- बच्चों से फल देने वाले पेड़ों के नाम जानें।
- वर्षा लाने में पेड़ों का क्या योगदान होता है, बच्चों को समझाएँ।
- बच्चों को पेड़-पौधे लगाने के लिए प्रेरित करें।
- पेड़ हमारे लिए परोपकारी होते हैं। बच्चों को इसके बारे में समझाएँ।
- कठिन शब्दों के अर्थ समझाएँ।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।